KENDRIYA VIDYALAYA O.N.G.C. CAMBAY

E-PATRIKA

2022-23

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

-: CONTACT US :-

PO. Kansari - 388630 Cambay
Dist - Anand, Gujarat

PHONE NO - 02698 – 226900

EMAIL ID - kvongccambay@gmail.com

WEBSITE - www.ongccambey.kvs.ac.in

SHINING STARS OF OUR VIDYALAYA
TOPPERS OF CBSE (X) 2021-22

Km. Azba Vohra
(First – 96.4 %)

Km. Preyanshi Patel
(Second – 90.6 %)

Km. Batul Umrethwala
(Third – 85.4 %)

सरस्वती वंदना

|| श्री गणेशाय नम : ||

धोररुपे महारवे सर्वशत्रुवशंकरी |
भक्तेभ्यो वरदे देवि त्राहि मां शरणागतम् ||

सुराङ्सुरार्चिते देवि सिद्धगन्धर्व सेविते |
जाड्यपापहरे देवि त्राहि मां शरणागतम् ||

जटाजटसमायुक्ते लोलजिह्वानुकारिणी |
द्रुतबुद्धिकरे देवि त्राहि मां शरणागतम् ||

सौम्यरुपे धोररुपे चंडरूपे नमोस्तु ते |
दृष्टिरुपे नमस्तुभ्यं देवि त्राहि मां शरणागतम् ||

जडानां जडतां हंसि भकतानां भक्तवत्सले |
मूढ़तां हर मे देवि त्राहि मां शरणागतम् ||

ह्रू ह्रूकारमये देवि बलिहोमप्रिय: नम : |
उग्रतारे नमस्तुभ्यं त्राहि मां शरणागतम् ||

बुद्धिं देहि यशो देहि कवित्वं देहि देहि मे |
कुबुद्धिं हर मे देवि त्राहि मां शरणागतम् ||

keNd/ly iv´aly Ao.0n.jI.sI. kEMbe

KENDRIYA VIDYALAYA ONGC CAMBAY

iv´aly pi"aka ÊÈÊÉ-ÊÊ

Vidyalaya Patrika 2022-23

CHIEF PATRON

Dr. JAIDEEP DAS
Deputy Commissioner KVS (Ahmedabad Region)

PATRON

Smt. SHRUTI BHARGAVA
Assistant Commissioner
KVS(RO, Ahmedabad)

Smt. VINITA SHARMA
Assistant Commissioner
KVS(RO, Ahmedabad)

PRINCIPAL

Ms. Kusum Lata, TGT English, I/C Principal

EDITORIAL BOARD	
Chief Editor	Mr. M. S. Goria, Librarian
Hindi / Sanskrit	Mr. Omprakash Yadav, TGT Hindi
English	Ms. Kusum Lata, TGT English
Designer	Mr. Ishwar Chand, TGT ART
Computerized	Mr. Kandarpkumar Parmar, Computer Instructor

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

अहमदाबाद संभाग/ AHMEDABAD REGION

SECTOR-30, GANDHINAGAR (GUJ)-382030

DEPUTY COMMISSIONER'S MESSAGE

With a gratifying sense of fulfilment and contentment, the vidyalaya brings forth yet another achievement in the success story of its literary venture. Conforming yet another milestone on the path of imagination and originality, the Vidyalaya Patrika leaves no stone unturned to dig out the inherent potential of the students. It is an undeniable fact that each and every child is unique and possesses a multitude of talents which needs to be chiselled out at various levels and stages.

The endeavours of the contributes as well as those, who strived to make the publication a grand success deserves an applause.

Here goes my best wishes and blessings.

Dr. JAIDEEP DAS
Deputy Commissioner
KVS (Ahmedabad Region)

From the Principal's Desk

School education is a powerful medium for a bright future, where everyone is given equal knowledge and consciousness. Education provides the skills to face all the challenges of life. It is our prayer that our students the only key to successful life is to get education with proficiency and be successful in their personal or professional life. KV ONGC Cambay has a holistic system of scholastic, co-scholastic and practical knowledge as well as skill knowledge, to acquire this proficiency of knowledge our school has Science Lab, Digital Language Lab, Library, Computer Room, Art Room, Work Experience Room, CMP, Sports Room are pure and clean playing fields.Our school is equipped with many latest equipments and materials to connect education with modernity. Therefore, our school wishes / (well wishers) for the bright future of the students.

Ms. Kusum Lata
I/c Principal, (TGT Eng)

From the Desk of Chief Editor

A bird without feathers, rainbow without colours and school without students is beyond imagination. It is truly said small is beautiful.

Our school is small, children are less, but there is no dearth of the talent. Friends, we have made a humble attempt to showcase their inner world and strength. There were rounds of editing, finalising and selecting, but all our sincere efforts bore fruit as E-Patrika is ready.

The involvement and contribution of the Principal, other language teachers, computer instructor and not to mention editorial board students made it possible to bring much awaited magazine.

This opportunity to thank one and all for supporting us in this tedious and tremendous task.

May I bless the wonderful students to come up with more articles, stories, poems, and riddles in years to come.

Sh. M. S. Goria
Librarian

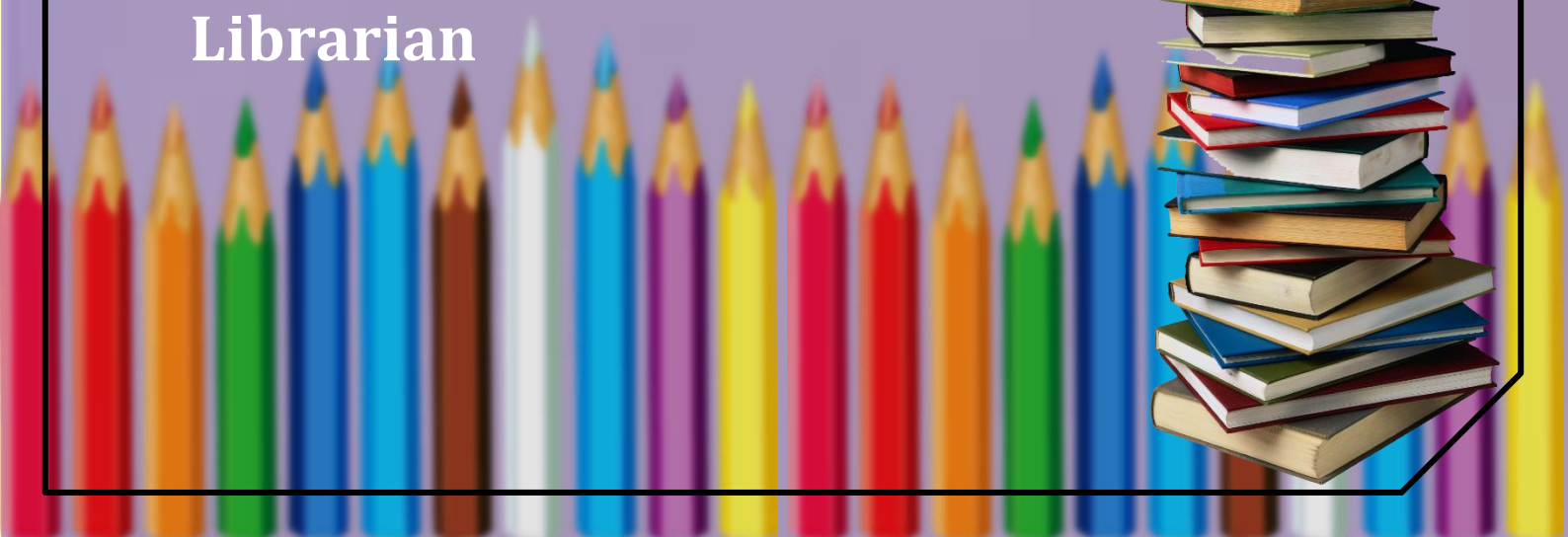

हिन्दी एवं संस्कृत विभाग

INDEX

अनुक्रमांक नंबर	रचना का शीर्षक	लेखक / रचना कार का नाम
1.	कहानी - चतुर चित्रकार	कु. एंजल पटेल, कक्षा ७
2.	यदि तुम अच्छे बनना चाहो	मा. जीत एस ठाकोर, कक्षा ५
3.	जंगल में रेल	मा. जीत एस ठाकोर, कक्षा ५
4.	भारतीय स्वतंत्रता सेनानी	मा. तीर्थ पटेल, कक्षा ५
5.	कहानी - बीरबल और बेईमान अधिकारी	कु. कृष्णा पटेल, कक्षा ७
6.	हमारी सहपाठी चिड़ियाँ	मा. हर्षराज, कक्षा ७
7.	मेरी सहपाठी चिड़ियाँ	कु. श्रेया डोडिया, कक्षा ७
8.	हौंसला रखो आगे बढ़ने का	श्री. ओमप्रकाश यादव प्र.स्ना.शिक्षक, हिन्दी
9.	प्रकृति	सुश्री. शीतल मकवाना, प्रा.शिक्षिका
10.	हिन्दी पर एक कविता	कु. वैदेही यादव, कक्षा ६
11.	शिक्षक पर एक कविता	कु. दिव्यांशी पवार, कक्षा ६
12.	सुविचार	संकलित
13.	चुटकुले	संकलित
14.	पहेलियाँ	संकलित
15.	आज़ादी	कु. विश्वा पटेल, कक्षा ८
16.	प्यारा झंडा	कु. विश्वा पटेल, कक्षा ८
17.	एकता	कु. येशा कंसारा & कु. मंतशा शेख, कक्षा ९
18.	साफ सफाई	कु. येशा कंसारा & कु. मंतशा शेख, कक्षा ९

INDEX

19.	सुलेख की महत्ता	श्री. एम एस गोरिया, पुस्तकालयाध्यक्ष
20.	चितकबरी दुनिया	श्री. ईश्वर चंद प्र. स्ना. शिक्षक, आर्ट
21.	हिन्दी - चित्रकथा (स्वरचित)	कु. वैदेही यादव, कक्षा ६
22.	प्रहेलिका:	कु. क्रिष्णा पटेल, कक्षा ७
23.	गानप्रिय: गर्दभः	मा. मोक्ष नागर, कक्षा ९
24.	वयं बालका:	मा. हिन्द पटेल, कक्षा ८
25.	अहं प्रभाते उत्तिष्ठामि	मा. नीलकंठ पटेल, कक्षा ८
26.	कविकुलगुरु: महाकवि: कालिदास:	कु. हेतवी कंसारा, कक्षा ९
27.	संस्कृतस्य वैशिष्ट्यम्	श्री. प्रसन्न . एस. जोशी प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, संस्कृत
28.	प्रहेलिका	कु. श्रेया डोडिया, कक्षा ७
29.	वदतु संस्कृतम्	कु. प्राची रबारी, कक्षा ७

* कहानी - चतुर चित्रकार *

एक चित्रकार था। वह प्रकृति का प्रेमी था। अत: उसके चित्रों में प्रकृति का प्रेम झलकता था। एक दिन वह घने जंगल में चित्रकारी करने पहुँचा। वहाँ पहाड़, नदी, घने वृक्षों की अद्भुत छटा को देखकर वह प्रसन्न हो गया और चित्र बनाने लगा।

चित्रकार अपनी चित्रकारी में व्यस्त था। इसी बीच वहाँ एक भूखा शेर आ पहुँचा। शेर को सामने देख चित्रकार घबरा गया। शेर चित्रकार को मारकर खाने ही वाला था कि चित्रकार को एक युक्ति सूझी। चित्रकार ने शेर से कहा कि वह एक चित्रकार है। यदि शेर उसे मौका दे तो वह शेर की एक सुंदर तस्वीर बना देगा। इसके बाद यदि शेर चाहे तो उसको खा सकता है। शेर को चित्रकार की बात जँच गई। वह चित्र बनवाने के लिए तैयार हो गया।

थोड़ी देर में चित्रकार ने शेर की आधी तस्वीर बना ली। उसने अपनी योजना के अनुसार शेर से कहा कि उसकी आधी तस्वीर बन चुकी है, यदि वह पीछे की तरफ मुड़कर बैठ जाए तो शेष चित्र भी पूरी तरह तैयार हो जाएगा।

शेर चित्रकार की बात मान गया। अब वह पीछे की ओर मुड़कर बैठ गया। इसी बीच चित्रकार उचित मौका देखते हुए नदी में मौजूद एक नाव पर सवार होकर भाग निकला। इधर जब शेर को कुछ आहट मिली

तब उसने पलट कर देखा तो चित्रकार गायब था। उसकी चित्रकारी के सारे सामान वहीं जमीन पर पड़े थे।

चित्रकार ने बीच नदी में पहुँचकर राहत की साँस ली और खुशी-खुशी अपने घर चला गया।

सीख: संकट के समय भी धैर्य व बुद्धिमानी से काम लेना चाहिए।

कु. एंजल पटेल

कक्षा - ७

* यदि तुम अच्छे बनना चाहो *

यदि तुम अच्छे बनना चाहो तो,
ठीक समय पर पढ़ने जाओ।

जो गुरुजन तुमको मिल जाये,
उनको पहले शीश झुकाओ|

गुरुजन जो कुछ कहे बतावें।
उनको सदा ध्यान में लाओ।

सबसे बड़ा गुरु होता है,
आदर करो, नम्र बन जाओ।

गुरु का प्यार मिले तुमको,
आगे सबसे बढ़ जाओ।

मा. जीत एस ठाकोर
कक्षा - ५

* जंगल में रेल *

जंगल में एक रेल चली,
करती क्या क्या खेल चली?

इंजन बन गया हाथी-मामा,
पहने कुर्ता और पैजामा|

पूँछ पकड़कर उनकी भाई,
शेर चला तो मस्ती छाई।

उनके पीछे लोमड़ी शाह,
ठाठ निराला वाह भाई वाह।

उनके पीछे चली हिरनियाँ,
छनक-छनक बाजे पैंजनिया।

उनके पीछे छड़ी हिलाते,
गर्दभ भाई थे चिल्लाते।

छुक-छुक छुक-छुक रेल चली,
करती क्या क्या खेल चली?
जंगल में एक रेल चली

मा. जीत एस ठाकोर
कक्षा - ५

* भारतीय स्वतंत्रता सेनानी *

हमारे भारत की भूमि को आज़ादी दिलाने के लिए कुछ महान क्रांतिकारी नेताओं ने अपने त्याग और समर्पण से इस देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त करवाया था। अंग्रेजों ने हमारे देश पर करीब 200 वर्षों तक राज़ किया। स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत को आज़ादी दिलाई। मेरे वतन को आज़ाद करवाने के लिये तन, मन, धन सब कुछ देश के नाम कर दिया था। भारत में महात्मा गाँधी, वीर भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, झांसी की रानी, तात्या टोपे जैसे बहुत से स्वतंत्रता सेनानी हुए, जिन्होंने देश को आज़ाद करवाने के लिये अपने प्राणों को त्याग दिया था। देश को आज़ादी दिलवाने के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले अनेक व्यक्ति थे जो स्वतंत्रता सेनानी कहलाए। उन स्वतंत्रता सेनानियों के कारण ही आज हमारा देश भारत आज़ाद हुआ। और हम सब एक आज़ाद देश के नागरिक हो सके। यह हमारे लिए एक बहुत ही गर्व का विषय रहा है। उन सब महान क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानियों का दिल सम्मान से करना चाहिये। उनके द्वारा दी गई कुर्बानी को यह देश कभी नहीं भुला पाएगा। क्योंकि हर स्वतंत्रता सेनानी ने मरते दम तक बहुत ही कठिनाइयों का सामना किया था। उनके खून के बदले ही देश के लिए आज़ादी प्राप्त हुई थी। उनमें कुछ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम तो प्रसिद्ध हो गए और कुछ सेनानियों के नाम गुमनाम ही रह गए।

मा. तीर्थ पटेल
कक्षा - ५

* कहानी – बीरबल और बेईमान अधिकारी *

एक दिन बादशाह अकबर के एक अधिकारी ने कड़ाके की ठंडी में एक गरीब आदमी से शर्त लगाई। उसने गरीब आदमी से कहा, "यदि तुम तालाब के ठंडे पानी में रातभर खड़े रहो, तो मैं तुम्हें पचास अशर्फियाँ दूँगा।" गरीब आदमी को पैसे की बहुत जरूरत थी। इसलिए उसने यह शर्त मान ली।

दूसरे दिन शाम को उस गरीब आदमी ने तालाब के पानी में प्रवेश किया और पूरी रात पानी में ठिठुरता हुआ खड़ा रहा। अधिकारी ने उस पर निगरानी रखने के लिए पहरेदारों को लगा दिया था। प्रातःकाल होने पर पहरेदारों ने अधिकारी को बताया कि बेचारा गरीब आदमी पूरी रात ठिठुरता हुआ तालाब के पानी में खड़ा रहा था। पर अधिकारी की नीयत में खोट थी। वह उस गरीब को पचास अशर्फियाँ देना नहीं चाहता था।

जब वह गरीब आदमी अपना इनाम पाने के लिए अधिकारी के पास पहुँचा, तो उसने उससे पूछा, "क्या तालाब के पास कोई दीपक जल रहा था?"

“हाँ, सरकार,” गरीब आदमी ने जवाब दिया।

"क्या तुमने उस दीपक की ओर देखा था?" अधिकारी ने पूछा।

"हाँ सरकार, मैं रातभर उसी को देखता रहा।" गरीब आदमी ने कहा।

"अच्छा, तो यह बात है!" अधिकारी ने कहा, "तुम रातभर तालाब के पानी में इसलिए खड़े रह सके, क्योंकि तुम्हें उस दीपक से गर्मी मिलती रही। इसलिए तुम्हें इनाम माँगने का कोई अधिकार नहीं है। भाग जाओ!" इस प्रकार अधिकारी ने उस गरीब को डाँटकर भगा दिया।

गरीब आदमी इससे बहुत दुःखी हुआ। वह सहायता के लिए बीरबल के पास पहुँचा। बीरबल ने बड़े ध्यान से उसकी बात सुनी। उन्होंने उसे

आश्वासन देते हुए कहा,"चिंता मत करो मित्र, मैं तुम्हें न्याय अवश्य दिलाऊँगा।" बीरबल के आश्वासन पर वह अपने घर चला गया।

दूसरे दिन बीरबल दरबार में नहीं गए। अकबर ने बीरबल का पता लगाने के लिए अपने सेवकों को उनके घर भेजा। सेवकों ने वापस आकर बादशाह से कहा, "महराज, बीरबल ने कहा है कि वे खिचड़ी पकाने मे व्यस्त हैं। खिचड़ी पकते ही वे दरबार में हाजिर हो जाएँगे।"

काफी समय बीत गया, पर बीरबल नहीं आए। बादशाह ने बीरबल को बुलाने के लिए दूसरे सेवक भेजे। उन्होंने भी लौट कर वही संदेश दिया, जो पहले वालों ने दिया था।

बीरबल का विचित्र जवाब सुनकर बादशाह को बहुत आश्चर्य हुआ। वे स्वयं बीरबल के घर पहुँच गए। बीरबल के घर के अहाते का दृश्य देखकर बादशाह चकित रह गए। बीरबल ने जमीन पर आग जला रखी थी और तीन ऊँचे बाँसों पर एक मिट्टी की हँड़िया बँधी हुई थी।

बादशाह ने कहा, "बीरबल, यह क्या बेवकूफी है? जमीन पर जल रही आग की आँच इतने ऊपर टंगी हँड़िया तक कैसे पहुँच सकती है?" बीरबल ने जवाब दिया, "महाराज, यदि तालाब के पानी में खड़ा आदमी तालाब के पास के दीपक से गर्मी प्राप्त कर सकता है, तो जमीन पर जल रही आग की आँच से ऊपर बँधी यह हँड़िया क्यों नहीं गर्मी पा सकती?"

बादशाह ने बीरबल से कहा, "बीरबल, पहेलियाँ मत बुझाओ। साफ-साफ कहो बात क्या है?" तब बीरबल ने बादशाह को बताया कि किस तरह उनके अधिकारी ने एक गरीब आदमी से शर्त लगाई थी और अब इनाम देने से वह मुकर रहा है।

बादशाह अकबर ने तुरंत अधिकारी तथा गरीब आदमी को बुलाया। दोनों पक्षों की बात सुनकर बादशाह ने उस अधिकारी को आदेश दिया, "तुम शर्त हार गए हो! इसलिए इसी वक्त इस आदमी को पचास अशर्फियाँ दे दो।"

अधिकारी को बादशाह का आदेश मानना पड़ा। उसने गरीब आदमी को तुरंत पचास अशर्फियाँ दे दीं। उस गरीब आदमी ने बादशाह और बीरबल का लाख-लाख शुक्रिया अदा किया।

शिक्षा - जैसे को तैसा।

कु. कृष्णा पटेल
कक्षा - ७

* हमारी सहपाठी चिड़ियाँ *

गर्मियों की छुट्टी खत्म हो गई थी और आज हमारा पाठशाला में पहला दिन था। मैं दोस्तों से मिला और सबसे मिलके अच्छा लगा। हम कक्षा में गए और अपनी-अपनी जगह पर बैठ गए। हमने देखा कि प्रोजेक्टर पर एक चिड़िया ने घोंसला बनाया था। उसने अंडे भी दिये थे।

फिर शिक्षक आये और उन्होंने बताया कि यह बुलबुल है। एक दो हफ्तों के बाद अंडों में से बच्चे बाहर निकल आए। बच्चे बहुत प्यारे थे। चिड़िया बच्चों के लिए खाना लाया करती और उनको खिलाती और उनका ख्याल रखती थी।

एक महीने से वह हमारे साथ हैं। हमें उनसे लगाव हो गया और वह भी कक्षा में अपने आपको और बच्चों को सुरक्षित महसूस करती है और ऐसे वो हमारी सहपाठी बन गयी।

मा. हर्षराज,
कक्षा - ७

* मेरी सहपाठी चिड़ियाँ *

आई नन्ही चिड़िया एक दिन, घूमते-घूमते कक्षा में हमारी।

पता नहीं क्यों पसंद आया हमारा कक्ष,
उसने बना दिया घोंसला और रख दिए अंडे।

जब निकले उनमें से तीन प्यारे रतन,
कर दिया उसने हम सब को मगन।

लगते थे वह आकर्षक शिक्षक को,
कहते थे हमें, मत छेड़ना उनको।

फिर जब लाती थी चिड़िया खाना,
बच्चे कहते चीं-चीं चू-चू मुझे दो दाना,

जब चल रहा होता था अध्ययन हमारा,
लेती थी खींच वह ध्यान हमारा।

लगता था वह भी है रही पढ़ हमारे साथ,
जब मचाती कक्षा में शोर थी|

रखना था ध्यान उन नन्ही जानों का,
बढ़ गयी थी एक और जिम्मेदारी हमारी।

हो गया था लगाव हमारा उनके प्रति,
लग रही थी प्यारी, वह हमें भी।

कु. श्रेया डोडिया।
कक्षा - ७

* हौंसला रखो आगे बढ़ने का *

हौंसला रखो आगे बढ़ने का, मुश्किलों से लड़ने का,
यही तो एक तरीका है, ऊंची उड़ान भरने का |

लड़खड़ा भी जाए गर कदम, तो गम न कर,
यही तो वक्त है तेरा, कुछ कर गुजरने का |

भले ही राहों में मिले पत्थर, तो मिलने दे,
हिम्मत कर आगे बढ़, तेरे ही पास है हर हल |

बस सब्र रख के देख, यही तो वक्त है
पत्थर के फूल बनने का।

बस एक बार भरोसा कर ले तू खुद पर,
मज़ा तुझे भी आने लगेगा,
फिर गिरते गिरते संभलने का।

हौंसला रखो आगे बढ़ने का, मुश्किलों से लड़ने का,
यही तो एक तरीका है, ऊंची उड़ान भरने का |

श्री. ओमप्रकाश यादव
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, हिन्दी

* प्रकृति *

इंद्रधनुष के रंग है सात,
चलो कुछ सीखें प्रकृति से आज|

मुक्त बनके विहार करो जैसे पंछी,
रंगबिरंगी अपनी दुनिया सजाओ जैसे तितली,
डटे रहो दृढ़ निश्चय पर जीत की ध्वजा फ़हराओ|

जुगनू की तरह अंधकार मैं प्रकाश फैलाओ,
शरमाओ मत जैसे आज शर्माए बारिश,
आत्मविश्वास भर जोश दिखाओ लक्ष्य करो हासिल|

जैसे बारिश के पानी से जीवन मिले पेड़ पौधों को,
वैसे ही अथक प्रयत्नों से पालो मंजिल को|

अब तो हो गया शिलान्यास राम मंदिर का,
शंखनाद करो हनुमान बनकर अपने सपनों का|

बोलो जय श्री राम और आगे बढ़ो,
हर हमेशा मस्त रहो रख के मुस्कान दौड़े चलो|

सुश्री. शीतल मकवाना,
प्राथमिक शिक्षिका

* हिन्दी *

जन जन की भाषा है हिंदी।
भारत की आशा है हिंदी।

जिसने पूरे देश को जोड़े रखा है।
वो मजबूत धागा है हिंदी।

हिंदुस्तान की गौरव गाथा हैं हिंदी।
एकता की अनुपम परंपरा है हिंदी।

जिनके बिना हिंद थम जाए।
ऐसी जीवन रेखा है हिंदी।

जिसने काल को जीत लिया है।
ऐसी कालजयी भाषा है हिंदी।

सरल शब्दों में,
जीवन की परिभाषा है हिंदी।

कु. वैदेही यादव,
कक्षा - ६

* शिक्षक *

हम स्कूल रोज़ जाते,
शिक्षक हम को पाठ पढ़ाते।

दिल बच्चों का कोरा कागज़,
उस पर ज्ञान अमिट लिखवाते।

जाति धर्म पर लड़े न कोई,
करना सबसे प्रेम सिखाते।

हमें सफलता कैसे पानी,
कैसे चढ़ना शिखर बताते।

सच तो ये है स्कूलों में,
अच्छा एक इंसान बनाते।

कु. दिव्यांशी पवार
कक्षा - ६

* सुविचार *

1. सफलता का रास्ता ईमानदारी की पटरी से होकर ही जाता है.
2. अगर आप सफल होना चाहते है, तो अपने अंदर की प्रतिभा को पहचानिए.
3. सोचने में अपना समय व्यर्थ मत कीजिए, अभी अपना कार्य प्रारंभ कर दें.
4. समय की बर्बादी आपको विनाश की ओर ले जाती है.
5. "समय" राजा से रंक बना सकता है, रंक से राजा बना सकता है.
6. सफलता का रास्ता विफलता के रास्ते से होकर ही गुजरता है
7. जिस प्रकार सूर्य स्वयं जलकर प्रकाश फैलाता है, उसी प्रकार अथक प्रयास से ही सफलता हासिल होती है.
8. आप जैसा सोचते है वैसा ही करते है.
9. परीक्षा उन्हीं की होती है जो उसके लायक होते है.
10. जो झुकता नहीं वह टूट जाता है इसलिए हमेशा अहंकार से दूर रहें.

कु. वैदेही यादव
कक्षा ६

* चुटकुले *

टीचर : कल मैं सूरज पर लेक्चर दूंगी।
गोलू : लेकिन मैं नहीं आ पाऊंगा मैम।
टीचर : क्यों?
गोलू : मैं जल जाऊंगा।

वैदेही यादव
कक्षा ६

टीचर : चिंटू! कल स्कूल क्यों नहीं आए?
चिंटू : सर, कल में सपने में अमेरिका चला गया था|
टीचर : अच्छा? और पिंटू तुम क्यों नहीं आए?
पिंटू : सर! में, चिंटू को एयरपोर्ट छोड़ने गया था|

बंता : तुम इतनी देर से की-बोर्ड में क्या ढूंढ रहे हों?
संता : इस की-बोर्ड में “any” का बटन नहीं है और स्क्रीन पर लिखा है “PRESS ANY KEY”

मा. पल पटेल
कक्षा ७

* पहेलियाँ *

मैं पंख से ज्यादा हल्की हूँ पर कोई भी मुझे 5 मिनट से ज्यादा नहीं रोक सकता।	तीन रंग का सुंदर पंछी नील गगन में भरें उड़ान, हम सब करते है उसका सम्मान।	कहलाती है रात की रानी, आंख से निकले हर दम पानी।
उत्तर - सास	उत्तर - तिरंगा झंडा।	उत्तर - मोमबत्ती।
कु. वैदेही यादव, कक्षा ६		
रंग हरा है, मुहं पर लाली, जेल से बोलू बात निराली|	बोलो ऐसा पेड़ कौन है, उपयोगी जिसका हर अंग, उसके फल का पानी पीकर, भरते मन में मधुर उमंग|	एक पिता के लाखों बच्चे, जीतने सुंदर उतने सच्चे, शाम ढले आ जाते है, बादल से घबराते है|
उत्तर - तोता	उत्तर - नारियल	उत्तर - तारे
कु. येशा कनसारा & कु. मंतशा शेख, कक्षा - ९		
काली है पर काग नहीं, लंबी है पर नाग नहीं, तेल चढ़े हनुमान नहीं, फूल चढ़े महादेव नहीं|	तीन हाथ है मेरे, एक टांग पर लटका रहता, बताओं में कौन?	बूझो भैया एक पहेली, जब काटो तब नई नवेली|
उत्तर - चोटी	उत्तर - पंखा	उत्तर - नाखून
श्री. एम. एस. गोरिया, पुस्तकालयाध्यक्ष		

* आज़ादी *

पंछी है कैद, अगर तो उड़ने में कर मदद तू,
दिया जलाकर रोशन कर तू।

बीत गए कई साल रूढ़िवादी विचारों में उलझकर,
सुलझा मन के भाव तू।

औरत आदमी या हो कोई बच्चा,
सब के जीवन का कर सम्मान तू।

तोड़ दे दीवारें सारी आगे बढ़ विजयी राह पर,
उन वीरों ने क्या पाया अगर अब भी इर में खोया तू|

आज़ादी पे है सबका हक
उठ जा छू ले आसमान तू|

कु. विश्वा पटेल
कक्षा - ८

* प्यारा झंडा *

देखो बच्चों झंडा प्यारा,
तीन रंगों का मेल है सारा।

सदा रहे यह झंडा ऊँचा,
आकाश को रहे यह छूता।

सदा करो तुम इसका मान,
कभी न करना इसका अपमान।

यह झंडा है देश की शान,
बना रहे यह सदा महान|

जय हिंद।

कु. विश्वा पटेल
कक्षा - ८

* एकता *

भारत प्यारा देश हमारा,
हम उस युग के बच्चे,
रचना इतनी सुंदर दृश्य सुहाने सजते।

नदियां सागर वन उपवन है,
कही कही है पर्वतमाला,
कल-कल करते झरते झरने,
कही है रेगिस्तान निराला।

न मैं हिंदू, न मुस्लिम मैं,
न मैं सीख और न ही ईसाई,
भेदभाव से दूर रहो,
हम हैं केवल भाई भाई।

तरह-तरह के लोग यहाँ पर
तरह तरह की भाषा,
मिलजुल कर हम एक रहें,
यही है मेरी अभिलाषा।

कु. येशा कंसारा & कु. मंतशा शेख।
कक्षा - ९

* साफ सफाई *

1. सफाई स्वस्थ जीवन का एक महत्वपूर्ण कारक होता है।
2. स्वच्छता स्वस्थ तथा शांतिपूर्ण जीवन का आधार होता है।
3. स्वच्छता से कभी भी हमें समझौता नहीं करना चाहिए।
4. हमें अपनी कक्षा साफ रखनी चाहिए।
5. हमें कचरा फेंकने के लिए कूड़ेदान का इस्तेमाल करना चाहिए।
6. स्वच्छता से कई बीमारियों से दूर रहा जा सकता है।
7. स्वच्छता एक बहुत अच्छी आदत है जो हर किसी में होनी चाहिए।
8. बच्चों में बचपन से ही सफाई की आदत डाल नी चाहिय।
9. स्वच्छता से ही हमारा शरीर साफ और स्वस्थ रहता है।

कु. येशा कनसारा & कु. मंतशा शेख।
कक्षा - ९

* सुलेख की महत्ता *

जिस प्रकार भोजन स्वादिष्ट बना हो किन्तु उसे कुशलता से न परोसा जाए तो खाने का मन नहीं करता ठीक उसी प्रकार आप कितना भी सही व श्रेष्ठ लिखें अगर वह सुन्दर नहीं लिखा गया, है तो उसे पढ़ने का मन नहीं करता।

अतः मैं आपको एक महत्वपूर्ण जानकारी देने जा रहा हूँ जो आप सभी विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त आवश्यक है। वैसे तो आप सुलेख (सुन्दर लेख) के बारे में परिचित हैं किन्तु आप इस पर ध्यान नहीं देते जिससे आप काफी नुकसान उठाते हैं। महात्मा गाँधी ने भी कहा था - सुलेख शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग है। अक्षर बुरे होना अपूर्ण शिक्षा की निशानी हैं । गाँधीजी की दोनों बातें पूर्णतः सत्य हैं।

"Good handwriting is a necessary part of education"

सुलेख से व्यक्ति की पहचान होती है। अध्यापक प्रशंसा करते हैं, सुन्दर लिखने वाला विद्यार्थी परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करता है। बच्चो अच्छे अक्षर बनाने के लिए घर पर प्रतिदिन एक गद्य खंड लिखना चाहिए।

सुलेख के लिए कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए -

1) अक्षरों की बनावट/लिखावट सुन्दर होनी चाहिए।
2) शब्द लिखने पर उस पर शिरोरेखा अवश्य खींचनी चाहिए।
3) अक्षर छोटे अथवा बड़े नहीं होने चाहिए। सभी अक्षर समानुपात में लिखने चाहिए।
4) अक्षर लिखते समय सफ़ाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

मुझे पूरा विश्वास है कि आप इन सभी बातों का ध्यान रखें गे|

श्री. एम. एस. गोरिया, पुस्तकालयाध्यक्ष

* चितकबरी दुनिया *

अमृत लद कर जा रहा था , इन गांव की ट्रॉलियों में |
ज़हर बनकर परोसा जाएगा, इन सुनहरी प्यालियों में ||

पसीना यूँ ही नहीं निकलता, इन खेतीहरों से |
सिंचाई होती है, इनके दबे अरमानों से ||

बीजों से बीज नहीं बनता, संकर बीजों से |
तन्दुरुस्ती ख़ाक पाओगे, इन रंग बिरंगे आहारों से ||

आहार, आहार नहीं रहा, इन आकर्षक आकारों में |
खूब चला है व्यवसाय, इन वर्जिश खानो में||

ख़ुशी ख़ूब मिलती, इन कृत्रिम ठण्ड हवाओं से |
शिकायते रोज़ होती है , इन प्राकृतिक आपदाओं से ||

हैसियत ख़ूब जमाया, इन हरित जमीनों पे |
ओहदा सिमट आया , इन चंद हस्त लकीरों पे ||

सूरज की किरणे रोज़ आया करती थी , इन ओस की बूंदों में | शी
शीतलता ख़ाक मिलेगी, इन कंकरीट लदे ताबूतों में ||

जीवन सँवर नही सकता, इन उलझन भरें वजीरो से |
अज्ञानता में ज्ञान छूपा है , इन अंजनी पुत्रो वीरो में ||

श्री. ईश्वर चंद
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, आर्ट

* हिन्दी - चित्रकथा (स्वरचित) *

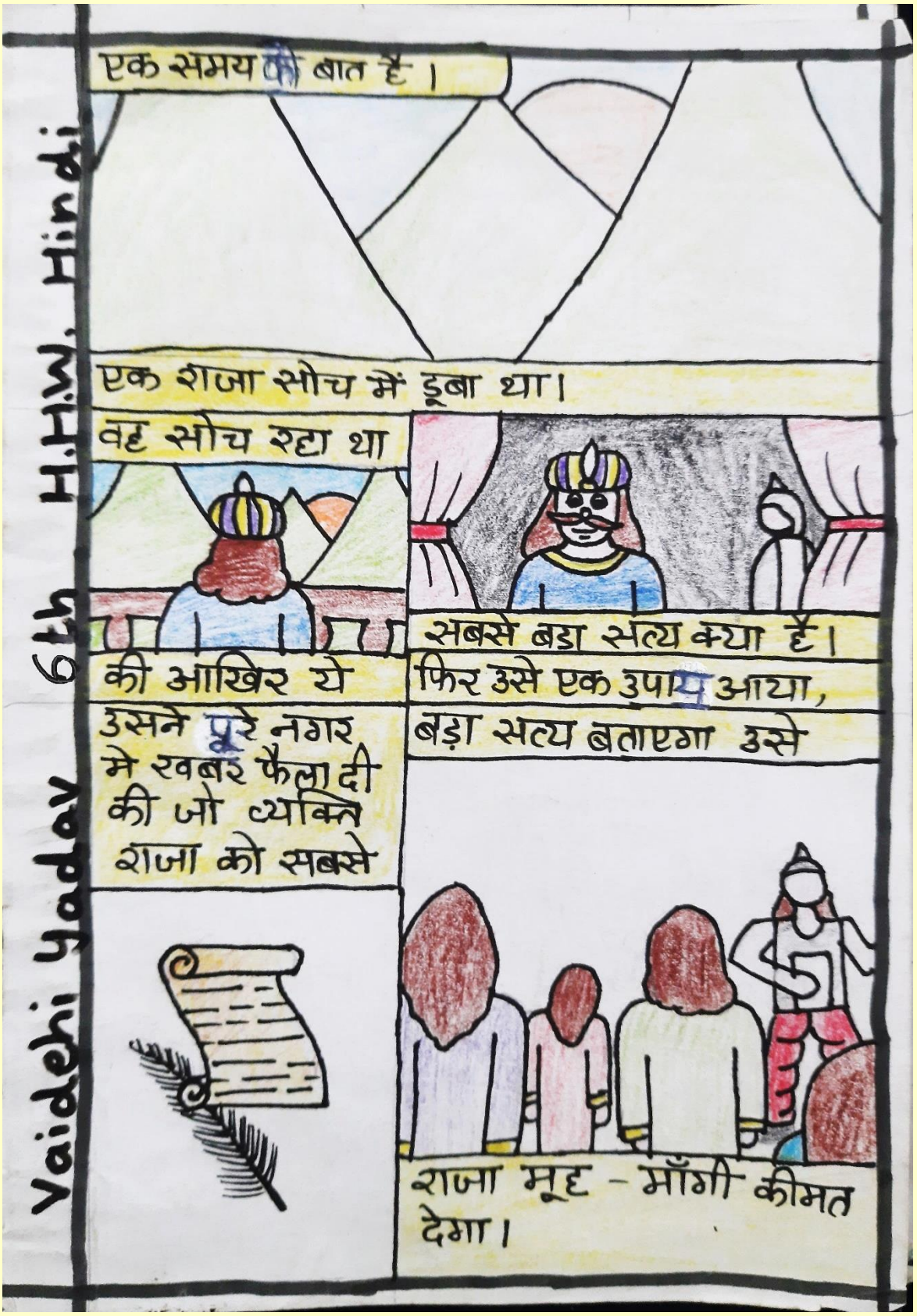

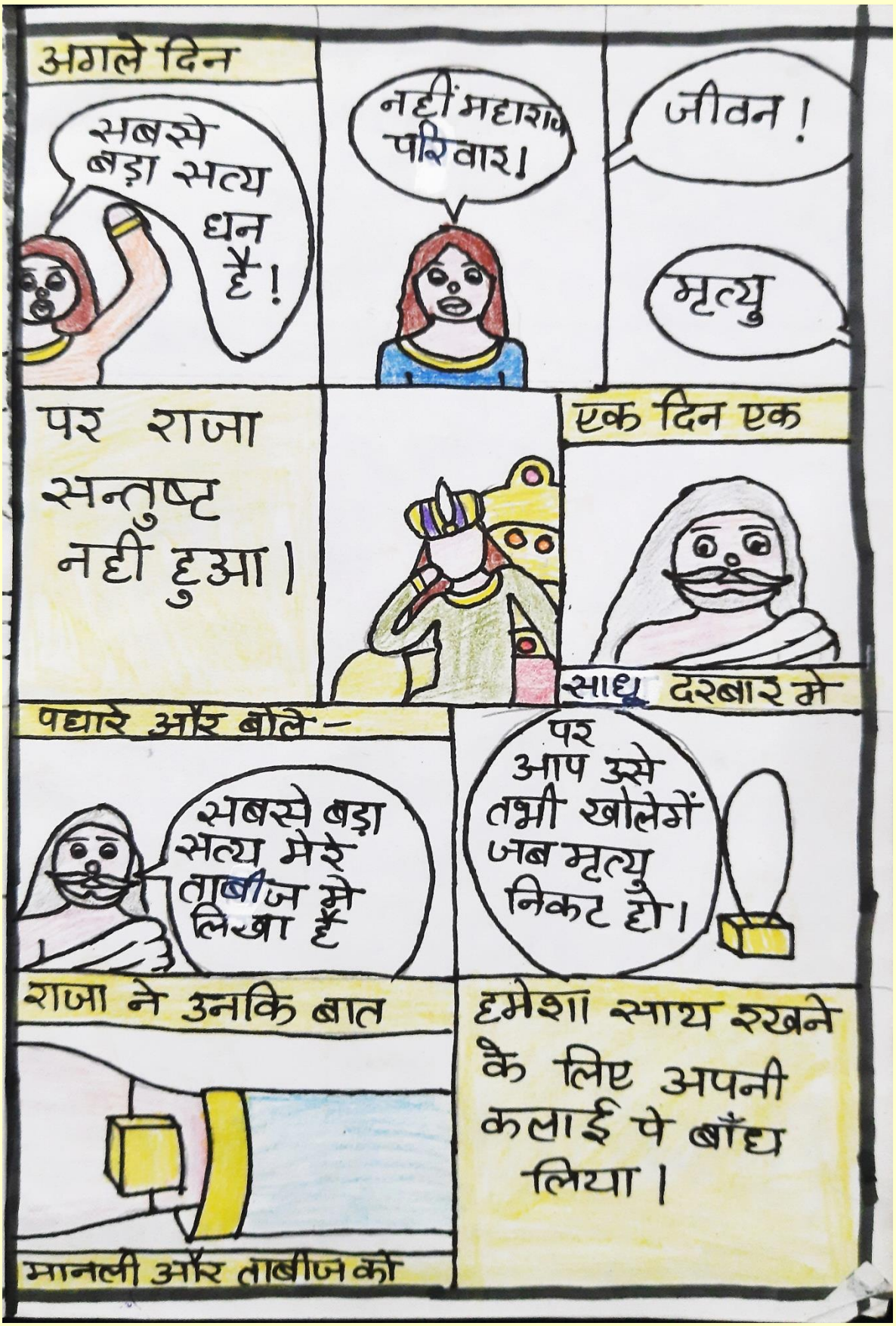
अगले दिन
सबसे बड़ा सत्य धन है!
नहीं महाशय परिवार।
जीवन!
मृत्यु
पर राजा सन्तुष्ट नहीं हुआ।
एक दिन एक
साधू दरबार मे
पधारे और बोले –
सबसे बड़ा सत्य मेरे ताबीज मे लिखा है
पर आप उसे तभी खोलेगें जब मृत्यु निकट हो।
राजा ने उनकि बात
मानली और ताबीज को
हमेशा साथ रखने के लिए अपनी कलाई पे बाँध लिया।

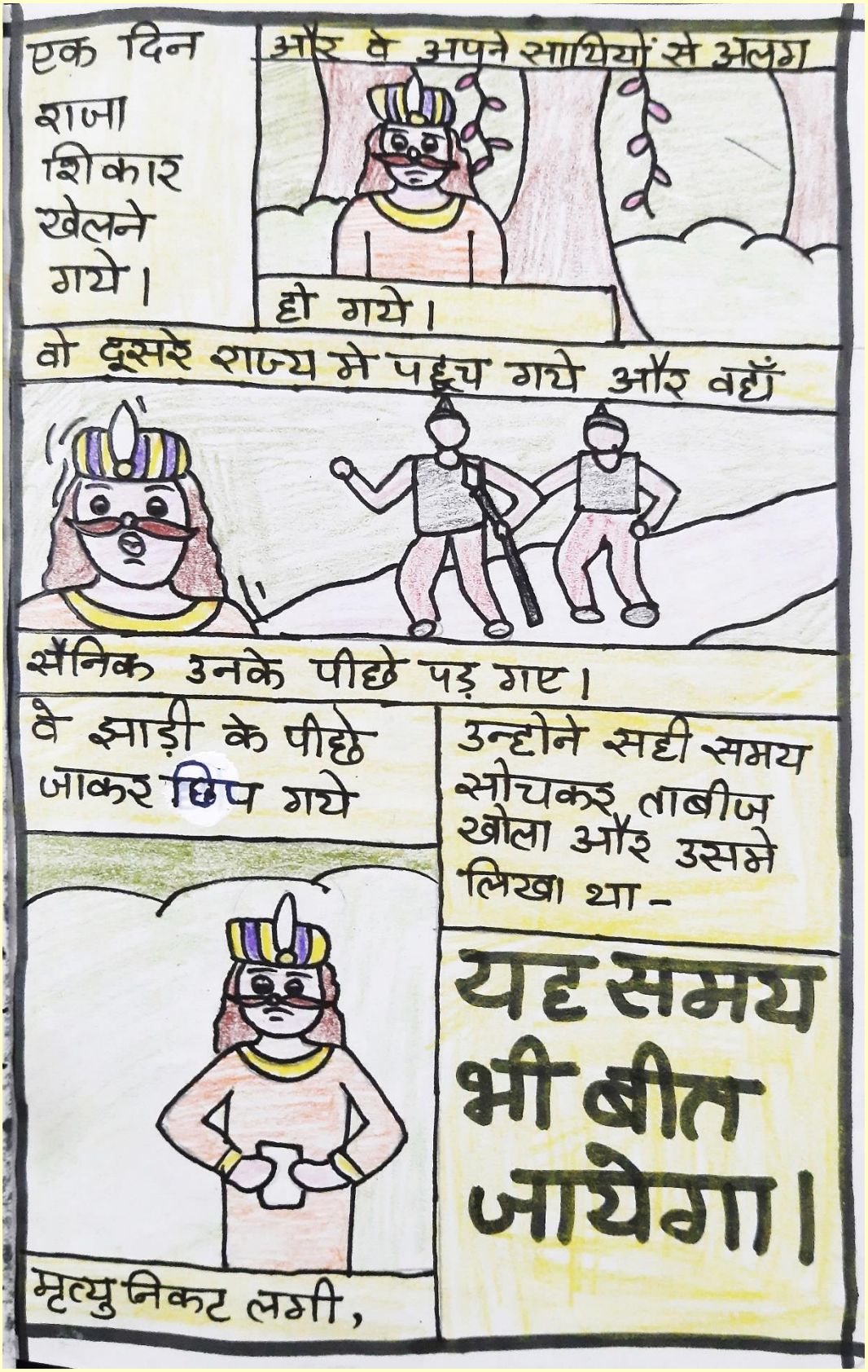

कु. वैदेही यादव, कक्षा ६

* प्रहेलिका: *

1. मम कण्ठः नीलः । वर्षाकाले अहं नृत्यामि। मम पुच्छम् अतीव सुन्दरम्। अहं कः?
2. अहं छायां ददामि। अहं फलं ददामि। अहं पुष्पम् अपि ददामि। अहं कः?
3. अहं हिमालये वसामि । अहं गङ्गां धारयामि। मम नेत्रत्रयम् अस्ति। अहं कः?
4. मम उत्तरे हिमालयः । मम दक्षिणे सागरः। मम ध्वज: त्रिवर्णः। अहं का?

उत्तराणि : (1) मयूर: (2) वृक्षः (3) महादेवः (4) भारतमाता

कु. क्रिष्णा पटेल
कक्षा ७

* गानप्रिय: गर्दभः *

कस्मिश्चित् अधिस्थाने कूर्मः नाम गर्दभः अवसत् । दिवसे सः रजकस्य गृहे भारम् अवहत् रात्रौ च स्वेच्छयाभ्राम्यत् । ततः प्रभाते रजकगृहं प्रत्यागच्छत् । एवं शृगालेन सह तस्य मैत्री अभवत् । प्रतिदिनं तौ कर्कटिकाक्षेत्रे प्राविशताम् चिर्भटिकाः चाभक्षयताम् ।

एकदा सः रासभः अवदत् "भो भगिनीसुत, कीदशी निर्मला रजनी । गानाय नमेच्छा वर्तते । तत् कथय कतमेन रागेण गानं करोमि ?" जम्बुक अकथयत् "माम किम् अनेन वृथा प्रलापेन ? आवां चौरौ । अपरं च तव गीतं मधुरस्वरं नास्ति । अत्र क्षेत्रे रक्षापुरुषाः सुप्ताः सन्ति । तेषां त्वरितेना गमनेनावयोः बन्धः वधः वा निश्चितः । तद् चिर्भटी भक्षय । अलं गीतव्यापारेण ।" रासभः अवदत् "त्वं गीतरसं न बोधसि । अतः एवं वदसि ।" शृगालः अवदत् "माम्, अस्ति एतद् । किन्तु त्वं गानं न करोषि । त्वं नून्नदसि । तथापि यदि गानाय त्वं तत्परः एव तहि तिष्ठ । अहं क्षेत्रस्य बहिर्भागे तिष्ठमि क्षेत्रपालम् अवलोकयामि च ।"

यदा शृगालः बहिः अगच्छत् तदा रासभः तारस्वरेण गानं प्रारभत । रासभरटनं श्रुत्वा श्रेत्रपाल: क्रोधात् अधावत् । रात्रौ चन्दनस्य प्रकाशे सः तं लम्बकर्णम् अपश्यत् । तस्य समीपं गत्वा सः तं लगुडप्रहारैः अताडयत् । एवं भृशं प्रताडितः असौ भूतले अपतत् । यस्य स्वयं प्रज्ञा नास्ति, स: च मित्रवचनं न करोति तस्य हानिः भवति ।

मा. मोक्ष नागर
कक्षा ९

* वयं बालका: *

वयं बालकाः भारतभक्ताः
वयं बालिकाः भारतभक्ताः।
वयं हि सर्वे भारतभक्ताः
पृथ्वीं स्वर्गं जेतुं शक्ताः॥

वयं सुधीराः वयं सुवीराः
हृष्टमानसाः पुष्टशरीराः।
भूरि पठामः भूरि लिखामः
भवितारः जनहिते नियुक्ताः॥

जातिधर्ममतभेदं त्यक्त्वा
भारतवर्ष पूज्यं मत्वा।
भगवद्भावं हृदये धृत्वा
भारतसेवायाम् अनुरक्ताः ॥
वयं बालकाः भारतभक्ताः ॥

मा. हिन्द पटेल
कक्षा ८

* अहं प्रभाते उत्तिष्ठामि *

अहं प्रभाते उतिष्ठामि मातापितरौ प्रणमामि।
देवान् भक्तवरेण्यन् नत्वा पठने मतिं विद्यास्यामि॥

विना विलम्बं शालां गच्छन् पाठ्यांशान् अवगच्छामि।
सर्वान् विषयान् सम्यगधीत्य बुद्धि विशदतां प्राप्नोमि॥

शिष्टाचारान् साधुविचारान् वृद्धिकरान् आकलयामि।
विद्याभ्यासाचारिचारैः सर्वश्रेष्ठतां विन्दामि॥

मा. नीलकंठ पटेल
कक्षा ८

* कविकुलगुरु: *

* महाकवि: कालिदास: *

संस्कृतसाहित्यक्षेत्रे कालिदासः महाकविरुपेण ख्यातः तथापि तस्य जीवनविषये अज्ञानता एव प्रवर्तते । किवदन्ति अनुसारेण सः धारानगरे भोजराजस्य सभायाः कविरत्नः आसीत् ।

कालिदास रचित कृतयः

महाकाव्यम्	-	रघुवंशम्, कुमारसंभवम्
ऋतुकाव्यम्	-	ऋतुसंहारम्
खण्डकाव्यम्	-	मेघदूतम्
नाट्यसाहित्यम्	-	अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मालविकाग्निमित्रम्, विक्रमोर्वशीयम्

कु. हेतवी कंसारा
कक्षा ९

* संस्कृतस्य वैशिष्ट्यम् *

संस्कृतस्य अनेकं वैशिष्टयम् अस्ति | तेषाम् द्वयं वैशिष्ट्यं जानीम: |

* रामायण *

रामायणम् नाम सुप्रसिद्धं आदिकाव्यम् अस्ति | पुरातने भारते अयं ग्रन्थ: अनेकासु लिपिषु लिखित:| संप्रति स: नेवारी , मैथिली ,बंगाली , देवनागरी , तेलगु , ग्रन्थ , मलयालम् , शारदा , इत्यादिषु लिपिषु लिखित: मिलति |

संस्कृतभाषाया: एतादृशा: बहवो ग्रन्था: सन्ति | ये प्राचीनकाले अनेकासु लिपिषु लिखिता: |

एतादृश: उपक्रम: अपि संस्कृतस्यैव वैशिष्ट्यम् वर्तते |

* पञ्चतंत्रम् *

संस्कृतभाषाया: पञ्चतंत्रनामक: ग्रन्थ: प्राय: विश्वस्य सर्वासु भाषासु अनूदित: वर्तते | एतादृशं सौभाग्यम् अन्यस्या: कस्याश्चित् भाषाया: ग्रन्थेन अद्यावधि न प्राप्तम् |

श्री. प्रसन्न . एस. जोशी
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, संस्कृत

* प्रहेलिका *

वृक्षाग्रवासी न च पक्षीराज: त्रिनेत्रधारी न च शूलपाणि : |
त्वग्वस्त्रधारी न च सिद्धयोगी जलं च बिभ्रन्न घटो न मेघ: ||

नरनारी समुत्पन्ना सा स्त्री दहविवर्जिता |
अमुखी कुरुते शब्दं जातमात्रा विनश्यति ||

कृष्णमुखी न मार्जारी दविजिह्वा न च सर्पिणी |
पञ्चभर्त्री न पांचाली यो जानाति स: पण्डित : ||

दन्तैर्हीन: शिलाभक्षी निर्जीवो बहुभाषक: |
गुणस्यूति समृद्धोऽपि परपादेन गच्छति ||

कस्तूरी जायते कस्मात् को हन्ति करिणां कुलम् |
किं कुर्यात कातरो युद्धे मृगात् सिंह: पलायनम् ||

उत्तराणि :-

1. नारिकेलम्
2. छोटिका
3. लेखनी
4. पादरक्षा
5. कस्तूरी जायते कस्मात् ? ------- मृगात्
   क: हन्ति करिणां कुलम् ? ----- सिंह:
   किं कुर्यात कातरो युद्धे ? ------ पलायनम्

कु. श्रेया डोडिया
कक्षा ७

* वदतु संस्कृतम् *

Hello	नमस्कार: / प्रणाम
How are you ?	त्वं सम्यक् अस्ति वा ?
What are you doing ?	भवान् किं करोषि ?
Good morning .	सुप्रभातम्
Good afternoon	शुभ मध्यह्नान
Good evening	शुभ सायम्
Good night	शुभ रात्रि:
How was your day ?	भवान् दिनं सम्यक् अस्ति वा?
How was your exam ?	भवान् परीक्षां कथम् अस्ति?
Where are you going today?	अद्यदिनं तव कथं गच्छसि?
Why are you angry?	त्वं किं कुप्यसि ?
What is your name?	त्वं नाम किं असि ?

कु. प्राची रबारी
कक्षा ७

ENGLISH SECTION

INDEX

Page No.	Item	Author
1.	Why God Made Teachers	Ma. Arun Siddartha, Class 6th
2.	10 Numbers for good life	Ma. Vansh Barot, Class 7th
3.	Meaning of Student	Ma. Vansh Barot, Class 7th
4.	SOME IMPORTANT FULL FORMS	Ma. Jaimin Mahida, Class 8th
5.	Some Interesting Facts About Solar System	Km. Mirza Soha Ali, Class 8th
6.	Jokes	Km. Angel D Patel., Class 7th
7.	Open a book	Ma. Jeet S Thakor, Class 5th
8.	My School Promise	Ma. Jeet S Thakor, Class 5th
9.	Poem on Education	Km. Mirza Alisha Fatima, Class 9th
10.	The Story of My Experiments With Truth – BOOK REVIEW	Ma. Jeet S Thakor, Class 5th
11.	The Swallow And Other Birds	Km. Afreen U Pathan, Class 6th
12.	MIRROR	Sh. M. S. Goria, Librarian
13.	TOP 10 PROGRAMMING LANGUAGE	Mr. Kandarpkumar Parmar, Computer Instructor

⁎ Why God Made Teachers ⁎

Why God Made Teachers,
When God created teachers gave us special friends
us understand His world To help!
And truly comprehend
The beauty and the wonder of everything we see,
And become a better person
With each discovery.

When God created teachers
He gave us special guides
To show us ways in which to grow
So we can all decide
How to live and how to do
What's right instead of wrong,
To lead us so that we can!
Lead And learn how to be strong.
Why God created teachers?

In His wisdom and His grace,
A better, wise place.

Ma. Arun Siddartha
Class 6th

* 10 Numbers for good life *

9876543210

9 – Glass of drinking water

8 – Hours of sound sleep

7 – world tour with family

6 – six digit salary

5 – days work a week

4 – wheeler

3 – bed flat

2 – cute children

1 – sweet heart

0 – tension!

Ma. Vansh Barot
Class 7th

⁎ Meaning of Student ⁎

S – Sincere

T – Trustworthy

U – Understanding

D – Disciplined

E – Energetic

N – Nobel

T – Thoughtful

Ma. Vansh Barot
Class 7^{th}

* SOME IMPORTANT FULL FORMS *

1) CCTV – Closed Circuit Television

2) CBI – Central Bureau of Investigation

3) SBI – State Bank of India

4) DCP – Deputy Commissioner of Police

5) DSP – Deputy Superintendent of Police

6) FIR – First Information Report

7) IPS – Indian Police Service

8) NASA – National Aeronautics and Space Administration

9) ISRO – Indian Space Research Organisation

10) RAW – Research and Analysis Wings

Ma. Jaimin Mahida
Class 8th

⁎ Some Interesting Facts ⁎
⁎ About Solar System ⁎

- Space is completely silent
- The hottest planet in our solar system is 450°C
- A Full Nasa Space Suit costs $12,00,000
- The Sun's Mass takes up 99.96% of the solar system.
- One million Earths can fit inside the Sun
- There are more trees on earth than stars in milky way
- The sunset on mars appears blue
- One day on Venus is longer than one year
- There is a planet made of diamonds (55 Cancri)

Km. Mirza Soha Ali

Class 8th

* Jokes *

Boss : Where were you born?
Sardar ; India.
Boss : Which part?
Sardar : What? Which part? Whole body was born in India.

Son : Can you write in the dark?
Father : Yes, why not?
Son : Then please turn off the lights and sign my report card.

Banta : Oy what are you doing?
Santa : Recording this babies voice.
Banta : Why?
Santa : When he grows up,I shall ask him.What he meant by this?

Wife : Had your lunch?
Husband : Had Your lunch?
Wife : I am asking you!
Husband : I'm asking you!
Wife : Are You Copying me?
Husband : Are You copying me?
Wife : Let's go for shopping...!...!....!
Husband : Yes, I had my lunch.....

Teacher : Sunny, if you had 5$ and you ask your mother for another 5$. How many dollars would you have?
Sunny : 5$, Sir.
Teacher : You don't know your arithmetic?
Sunny : But Sir, you don't know my mother.

Km. Angel D Patel.
Class 7th

⁎ Open a book ⁎

Open a book and you will find,
People and places of every kind.

Open a book and you can be,
Anything you want to be.

Open a book and you can Share,
Wondrous words you find is there.

Open a book and I will too.
You read to me and I will read to you.

Ma. Jeet S Thakor
Class 5th

⁎ My School Promise ⁎

Each day I will do my best,
And I Won't to do any less.

My work will always please me,
And I won’t accept a mess.

I will colour very carefully,
My writing will be neat.

And I will not be happy,
Till my papers are complete.

I will always do my homework,
And try my best on every test.

I won't forget my promise.
My very very best.

Ma. Jeet S Thakor.
Class 5th

⁎ Poem on Education ⁎

Without education, you can't do anything,
We need to educate as we are human being.

If we are not educated, then some things are impossible,
But if we are educated, we can make it possible.

Most powerful weapon is education, Without it,
You can't do anything In this world.

Without education is like room without light,
If we are educated, then our life is very bright.

Mission is our best friend,
It does not have any end.

Education is the best.
While you are educating, you can't rest.

Km. Mirza Alisha Fatima
Class 9th

⁎ The Story of My Experiments With Truth ⁎

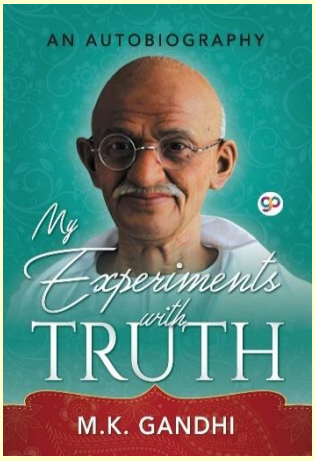

BOOK REVIEW

An autobiography of the story of my experiments with truth written by MK Gandhi is a highly inspiring book, and in my opinion, it should be read by every Indian. Every reader will value Gandhi's honesty and sincerity in presenting every detail of his personal life without hiding anything from the reader. Even though he presented such incidents, I derogated his volume.

I really appreciated his nature in my mind after reading this book. Gandhi put things into action before reaching out to others, which I greatly appreciate. Millions of people around the world share Gandhi's attitude and sincerely believe that this is the reason for it. Whether supporters or opponents admired him, they would like to have a glimpse of him at least once in their lifetime. One more thing I realised about Gandhiji after reading this book, and I really appreciate it, is the modest way he led his life. Gandhi's autobiography is simply superb, especially in that it describes all of the events that occurred in his life in a very interesting manner, and the language used for this narration is very simple. I want to understand the level of a common man.

Ma. Jeet Thakor
Class 5th

⁎ The Swallow And Other Birds ⁎

A country man was sowing hemp seed in his field. Swallows and other birds were hoping to pick up their food. Swallow hemp education. You tell Seiko to warn the birds about Batman and the seed he's showing. Ask them to pick up the seeds, as they will repent.

The birds ignore the swallows' words. The ham grew. up and ready for harvesting Records were made, and then hemp records were made.

Birds who despised the advice of the swallows, in the Nets made him out of date. Hemp was instrumental in their demise.

Moral – Destroy the seeds of evil or it will grow & ruin you.

Km. Afreen U Pathan
Class 6th.

* MIRROR *

Mirror is true friend of man
It tries to keep us on right path
My best friend is Mirror

Mirror is true reflection of everything
It tells to give us a true opinion
Mirror is sincere with everyone
It tells us what is sincerity
My best friend is Mirror

Mirror is faithful to everyone
It never gives sorrow
Mirror is of resolute mind
It never gives you distrust

My best is mirror
Mirror is the true reformer of the world

Sh. M. S. Goria, Librarian

TOP 10 PROGRAMMING LANGUAGE	
Icon	**Details**
	Python—Artificial Intelligence & Machine Learning • **Level:** Beginner • **Popular Frameworks:** Django, Flask • **Platform:** Web, Desktop • **Popularity:** #1 on PYPL Popularity Index of March 2021, #3 on Tiobe Index for March 2021, Loved by 66.7% of Stack Exchange developers in 2020, and wanted by 30%, the most of any language. **Developed by Guido van Rossum in the 1990s,**
	Java—Enterprise Application Development • **Level:** Intermediate • **Popular Frameworks:** Spring, Hibernate, Strut • **Platform:** Web, Mobile, Desktop • **Popularity:** #2 on PYPL Popularity Index of March 2021, #2 on Tiobe Index for March 2021, Loved by 44.1% of Stack Exchange developers in 2020. Java has remained the de-facto programming language for building enterprise-grade applications for more than 20 years now. **Created by Sun Microsystems' James Gosling in 1995**
	JavaScript—Rich Interactive Web Development • **Level:** Beginner • **Popular Frameworks:** Node.js, Angular, React.js, Vue, Meteor • **Platform:** Web, Desktop, Frontend scripting • **Popularity:** #3 on PYPL Popularity Index of March 2021, #7 on Tiobe Index for March 2021, Loved by 58.3% of Stack Exchange developers in 2020, and wanted by 18.5%, the most of any language.
	C#—Application & Web Development Using .NET • **Level:** Intermediate • **Popular Frameworks:** .NET, Xamarin • **Platform:** Cross-platform, including mobile and enterprise software applications • **Popularity:** #4 on PYPL Popularity Index of March 2021, #5 on Tiobe Index for March 2021, Loved by 59.7% of Stack Exchange developers in 2020. C# was Microsoft's approach to developing a programming language similar to the object-oriented C as part of its .NET initiative. The **general-purpose multi-paradigm programming language** was unveiled in 2000 by Anders Hejlsberg and **has a syntax similar to C, C++, and Java**

	PHP—Web Development • **Level:** Beginner • **Popular Frameworks:** Cake PHP, Lara well, Symfony, Phalcon • **Platform:** Cross-platform (desktop, mobile, web) Back-end web scripting. • **Popularity:** #6 on PYPL Popularity Index of March 2021, #8 on Tiobe Index for March 2021. Just like Guido van Rossum's Python, PHP also came to fruition as a side project by Rasmus Lerdorf, with the initial development dating back to the year 1994.
	9. SQL—Data Management **Level:** Beginner • **Platform:** Back-end database management • **Popularity:** #10 on Tiobe Index for March 2021, Loved by 56.6% of Stack Exchange developers in 2020. SQL, short for Structured Query Language, is probably one of the most crucial programming languages on this list. Designed by Donald D. Chamberlin and Raymond F. Boyce in 1974
 	C/C++—Operating Systems and System Tools • **Level: C**—Intermediate to Advanced, **C++**—Beginner to Intermediate • **Popular Frameworks:** MFC, .Net, Qt, KDE, GNOME • **Platform:** Mobile, Desktop, Embedded Believe it or not, the programming languages C/C++ were all the rage in the very late 20th century. Why? It's because C and C++ are both very low-level programming languages, offering blazing fast performance, which is why they were and are still being used to develop operating systems, file systems, and other system-level applications. While **C was released in the 70s by Dennis Ritchie, C++**, an extension to C with classes and many other additions, such as object-oriented features, was **released later by Bjarne Stroustrup in the mid-80s.**

Composed by - Mr. Kandarpkumar Parmar (M.Sc.IT)
Computer Instructor

Tide Turner

Vigilance Awareness

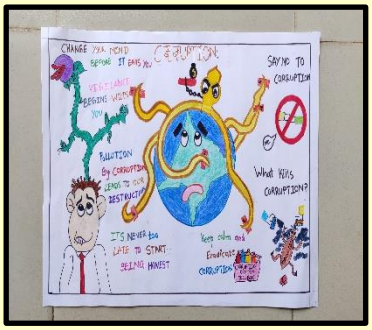

Swatchhata Pakhwada

HINDI PAKHWADA

EBSB Activities

Post Card Campaign

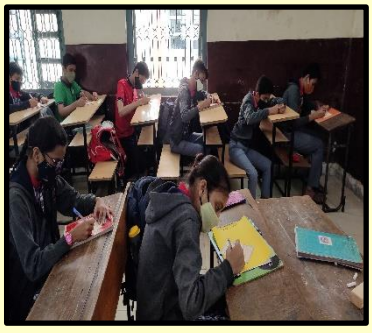

FIGHTING AGAINST CORONA
VACCINATION
STAY INSIDE
COVID WARRIORS

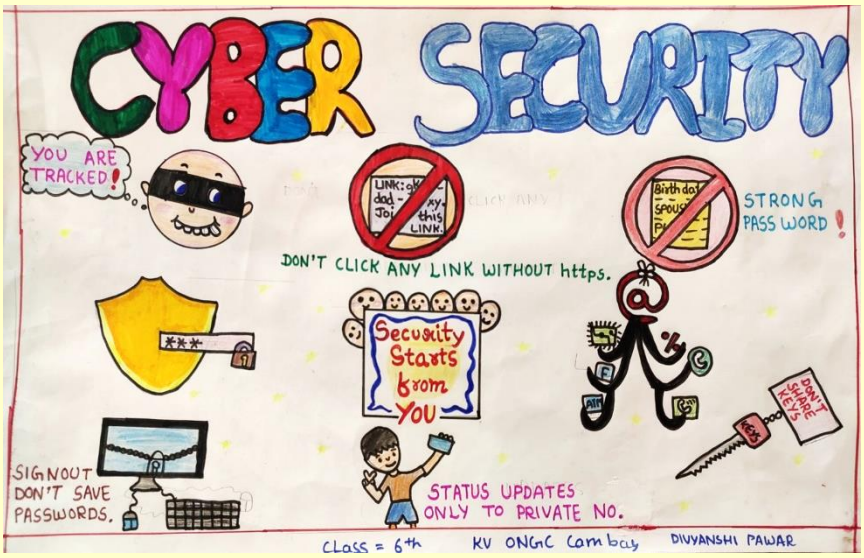
CYBER SECURITY
YOU ARE TRACKED!
DON'T CLICK ANY LINK WITHOUT https.
STRONG PASS WORD!
Security Starts from YOU
SIGNOUT DON'T SAVE PASSWORDS.
STATUS UPDATES ONLY TO PRIVATE NO.
Class = 6th
KV ONGC Cambay
DIVYANSHI PAWAR

STAY FIT
STAY HEALTH

EAT HEALTHY FOOD, PLAY AND CHANGE YOUR MOOD.
CLEAN SURROUNDING AND SANITATION.
NINE HOURS SLEEP AND MEDITATION.
TAKE CARE OF YOURSELF.
AS NO PAIN NO GAIN.
Sanitize
Apple
comb
Soap
Mango
Sleep 9 hours

Ansh K Vaghela